भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **2425**

जिसका उत्तर मंगलवार, 17 दिसम्बर, 2024/26 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि

2425. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि देश में उर्वरकों की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) देश में उर्वरकों की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(घ) क्या उर्वरकों की कीमतों में इस तीव्र वृद्धि से देश में किफायती दामों पर उर्वरकों की उपलब्धता प्रभावित होने की संभावना है;
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) देश में घरेलू बाजार में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का विचार है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ड.): उत्पादन की लागत पर ध्यान दिए बिना किसानों को यूरिया सांविधिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर उपलब्ध कराया जाता है। यूरिया की 45 किलोग्राम बोरी की सब्सिडी प्राप्त एमआरपी वर्ष 2018 से 266.50 रुपये है। फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएण्डके) उर्वरकों की एमआरपी विनियंत्रित है और इसे उर्वरक कंपनियों द्वारा बाजार के उतार-चढ़ाव के अनुसार यथोचित स्तर पर नियत किया जाता है जिसकी निगरानी सरकार द्वारा की जाती है। वर्ष 2022-23 से, प्रमुख पी**एंड**के उर्वरकों की 50 किलोग्राम बोरी का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जैसे कि डीएपी का 1350/- रुपये, एनपीके ग्रेड 12-32-16 और 10-26-26 का 1470/- रुपये, एसएसपी का 550/- रुपये नियंत्रित रखा गया है। जबकि एनपीके 20-20-0-13 के 50 किलोग्राम बोरी की एमआरपी 1400 रुपये से घटकर 1260/- रुपये और एमओपी 1700/- रुपये से घटकर 1600/- रुपये हो गई है। यह देखा जा सकता है कि 2022-23 से प्रमुख पीएण्डके उर्वरकों की औसत एमआरपी या तो नियंत्रित रखी गई है या घटाई गई है।

इसके अलावा, किसानों को वहनीय मूल्यों पर उर्वरकों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आवश्यकता के आधार पर एनबीएस सब्सिडी दरों के अतिरिक्त डीएपी पर विशेष पैकेज प्रदान किया है ताकि उर्वरकों का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) स्थिर बना रहे और बाजार की अस्थिरता को भी समाहित किया जा सके। वर्ष 2024-25 में, सरकार ने किसानों को वहनीय कीमतों पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने और कृषि क्षेत्र एवं संबंधित गतिविधियों का समर्थन करने और देश में खाद्य सुरक्षा परिदृश्य को सुदृढ़ करने के लिए ₹2625 करोड़ के अनुमानित वित्तीय निहितार्थ के साथ पीएण्डके उर्वरक कंपनियों को ₹3500 प्रति मीट्रिक टन की दर पर 01.04.2024 से 31.12.2024 तक की अवधि के लिए डीएपी की वास्तविक बिक्री पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) पर एनबीएस दरों के अतिरिक्त डीएपी पर एक-बारगी विशेष पैकेज को मंजूरी दी है । इस प्रकार, संपूर्ण सब्सिडी स्कीम किसानों को वहनीय मूल्यों पर उर्वरकों की समय पर उपलब्धता कराने पर केन्द्रित है।

वर्तमान रबी मौसम 2024-25 (11.12.2024 तक) के दौरान देश में उर्वरकों की उपलब्धता सहज रही है। उर्वरकों की उपलब्धता का ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(च): देश में उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक फसल मौसम के शुरू होने से पहले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएण्डएफडब्ल्यू), सभी राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है। अनुमानित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करते हुए राज्यों को उर्वरकों की यथेष्ट/पर्याप्त मात्रा का आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है। देश भर में सब्सिडी प्राप्त सभी प्रमुख उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक निगरानी प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) और उर्वरक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से राज्य कृषि अधिकारियों के साथ नियमित साप्ताहिक वीडियो कांफ्रेंस की जाती है और राज्य सरकारों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार उर्वरक भेजने हेतु सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। उर्वरकों की मांग (आवश्यकता) तथा उत्पादन के बीच के अंतर को आयातों के माध्यम से पूरा किया जाता है। समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मौसम के लिए किए जाने वाले आयात को भी पहले से ही निर्धारित कर दिया जाता है।

****

अनुलग्नक

दिनांक 17.12.2024 को दिए जाने वाले राज्य सभा के अतारांकित प्रश्न सं.2425 के उत्तर के भाग (क) से (ड.) में उल्लिखित अनुलग्नक

रबी 2024-25 (11/12/2024 तक) के लिए संपूर्ण भारत की स्थिति						
						आंकड़े एलएमटी में
क्र.सं.	उत्पाद	रबी 2025 के लिए मौसमी आवश्यकता	01/10/2024 से 11/12/2024 तक यथानुपातिक आवश्यकता	01/10/2024 से 11/12/2024 तक उपलब्धता	01/10/2024 से 11/12/2024 तक संचयी डीबीटी बिक्री	11/12/2024 की स्थिति के अनुसार अंतिम स्टॉक
1	यूरिया	186.89	92.03	136.68	77.05	59.58
2	डीएपी	52.05	37.37	41.28	32.58	8.84
3	एमओपी	11.95	6.36	14.43	5.93	8.53
4	एनपीकेएस	77.10	41.96	61.64	37.98	24.23

******